भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2670

11 अगस्त, 2026 के लिए प्रश्न

एथेनॉल के लिए किए गए प्रापण से किसानों को लाभ

2670. श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
विगत तीन वर्षों के दौरान एथेनॉल विनिर्माण संयंत्रों द्वारा अधिशेष कृषि उपज की खरीद किए जाने से किसानों तक पहुंचे लाभों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

अधिशेष चीनी को इथेनॉल उत्पादन के लिए भेजने से चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। इसके परिणामस्वरूप, चीनी मिलें किसानों को गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) समय पर चुका पा रही हैं। सरकार द्वारा हर वर्ष एफआरपी बढ़ाए जाने से गन्ना किसानों को लाभ हुआ है।

इसके अलावा, इथेनॉल उत्पादन के लिए मक्के का उपयोग करने से मक्का किसानों को अपनी फसल का बेहतर दाम मिलने में मदद मिली है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

पिछले तीन इथेनॉल आपूर्ति वर्षों (इएसवाई) और मौजूदा इएसवाई के दौरान इथेनॉल उत्पादन में उपयोग के लिए अधिशेष चीनी की मात्रा के संदर्भ में गन्ने; और अधिशेष मक्के की मात्रा का विवरण नीचे दिया गया है:

(आंकड़े लाख टन में)

फ़ीड स्टॉक	**इएसवाई 2022-23**	**इएसवाई 2023-24**	**इएसवाई 2024-25**	**इएसवाई 2025-26(दिनांक 30.6.2026 तक)**
अधिशेष चीनी के संदर्भ में गन्ने का अन्य उपयोग	43	24	35	28
मक्का	8.3	75.4	131.1	67.9